श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 271 मई, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

श्री शिवराज सिह चौहान के द्वारा भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र दौरे के दौरान श्री अन्न हितधारकों को प्रोत्साहन

श्री अन्न को पौष्टिक तथा जलवायु अनुकूलन फसलों के रूप में नई अहमियत मिलने के साथ, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिह चौहान ने 21 मई 2026 को हैदराबाद में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र की गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए भाकृअनुप -भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। माननीय मंत्री, श्री शिवराज सिह चौहान जी ने वृक्षारोपण किया, संस्थान के अनुसंधान तथा अवसंरचना की समीक्षा की, तथा संस्थान परिसर में आयोजित एक प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों, किउसं, नवोद्यमियों, उद्यमियों तथा अन्य हितधारकों से चर्चा की। प्रदर्शनी में श्री अन्न की बेहतर किस्में, मूल्यवर्धित उत्पाद, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी तथा नवोन्मेषी उद्यम प्रदर्शित किए गए।

श्री शिवराज सिह चौहान ने सहभागियों को संबोधित करते हुए, खेती करने वाले समुदाय के लिए पोषण सुरक्षा, सतत कृषि, जलवायु अनुकूलन तथा बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने में श्री अन्न की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।

उन्होंने श्री अन्न की खपत बढ़ाने, प्रसंस्करण व मूल्यवर्धन अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा श्री अन्न संपद्ध व्यवसाय में किउसं, नवोद्यमियों, महिला उद्यमियों तथा ग्रामीण युवाओं के लिए ज़्यादा अवसर पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया। माननीय मंत्री ने अनुसंधान, नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा उद्यम विकास के माध्यम से श्री अन्न को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना तथा ग्रामीण रोज़गार पैदा करना है। उन्होंने श्री अन्न क्षेत्र की समग्र वृद्धि के लिए श्री अन्न अनुसंधान, उद्यमिता एवं किसान-केंद्रित विकास पहलों को आगे बढ़ाने में भाकृअनुप -भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के योगदान की सराहना भी की।

डॉ. सी तारा सत्यवती ने मंत्री जी को जीसीओई, टीएसपी, एससीएसपी, एनईएच, किउसं प्रवर्तन एवं महर्षि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख पहलों के बारे में जानकारी दी। माननीय मंत्री ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के अंतर्गत विकसित उन्नत फेनोमिक सुविधा का भी दौरा किया तथा श्री अन्न में जीनोमिक एवं सटीक प्रजनन के लिए संस्थान के उन्नत अनुसंधान ढांचे की समीक्षा की।

इस कार्यक्रम से किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (किउसं), कृषि -नवोद्यमियों, महिला उद्यमियों, वैज्ञानिकों एवं श्री अन्न से जुड़े लो गों में बहुत साहस एवं आत्मविश्वास पैदा हुआ।

डॉ. एम एल जाट के द्वारा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र में स्थापित उन्नत न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला की समीक्षा

डॉ. एम एल जाट, सचिव- कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता तथा सतत आजीविका सुनिश्चित करने में श्री अन्न के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए, 6 मई 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के अनुसंधान में हुई प्रगति, बुनियादी ढांचे के विकास एवं देश में श्री अन्न परितंत्र को सुदृढ़ करने प र केंद्रित लोकसंपर्क पहलों की समीक्षा की।

इस दौरे के दौरान, डॉ. एम एल जाट ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में **श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र** के अंतर्गत निर्मित अत्याधुनिक न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला की समीक्षा की। यह सुविधा उच्च प्रवाह क्षमता युक्त अनुक्रमण, आरएनए अनुक्रमण, जीन सत्यापन, एसएनपी चिह्नक विकास तथा लक्षण मानचित्रण के माध्यम से उन्नत जीनोमिक एवं आणविक प्रजनन में सहायता करती है। यह जलवायु-अनुकूल, पोषक तत्व-प्रचुर तथा उच्च उपज युक्त श्री अन्न किस्मों के विकास हेतु चिह्नक सहाय, कृत्रिम मेधा -सक्षम तथा जीन-संशोधन तकनीकों को तेज़ करेगी। नवनिर्मित न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला अनुसंधानकर्ताओं, संस्थानों, नवोद्यमियों एवं उद्योगों को सहयोगी अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकी साझेदारी के माध्यम से उन्नत जीनोमिक सहायता के द्वारा श्री अन्न वैश्विक अनुसंधान को सुदृढ़ करेगी। यह सुविधा पोषण जीनोमिक, प्रकार्यात्मक लक्षण खोज एवं अगली पीढ़ी प्रजनन को आगे बढ़ाएगी, जिससे खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, जलवायु अनुकूलन तथा सतत कृषि में योगदान मिलेगा।

डॉ. जाट तथा डॉ. डी के यादव (उप महानिदेशक, फसल विज्ञान) ने उन्नत फेनोमिक सुविधा का दौरा किया तथा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के प्रगति की समीक्षा की, तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के विश्व स्तरीय अनुसंधान अवसंरचना की सराहना की। डॉ. सी तारा सत्यवती ने उन्हें टीएसपी, एससीएसपी, एनईएच तथा किउसं कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान की उपलब्धियों तथा पहलों के बारे में बताया, जिसमें श्री अन्न -आधारित आजीविका, मूल्यवर्धन, उद्यमिता, एवं सतत कृषि पर प्रकाश डाला गया।

प्रदर्शनी के दौरान, गणमान्य लोगों ने श्री अन्न की बेहतर किस्मों, जननद्रव्य तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी का अवलोकन किया, तथा ते लंगाना एवं आंध्र प्रदेश के श्री अन्न किसानों से चर्चा की, जिन्होंने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के हस्तक्षेप के अंतर्गत अपनी सफल गाथाएं साझा कीं।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद को उत्तम गुणता युक्त बीज उत्पादन में उत्कृष्टता हेतु श्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को बीज (फसल) पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत उत्तम गुणता युक्त बीज उत्पादन में वर्ष 2025-26 हेतु श्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार (भाकृअनुप संस्थान वर्ग) प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 13-15 मई 2026 तक शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्विविद्यालय, जम्मू में संपन्न बीज (फसल) पर अभासअनुप की 41वीं वार्षिक सामूहिक बैठक के दौरान दिया गया। भाकृअनुप -राष्ट्रीय बीज विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, मऊ, उत्तर प्रदेश ने यह पुरस्कार राष्ट्रीय बीज कार्यक्रम में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के श्रेष्ठ योगदान के लिए दिया।

यह सम्मान प्रजनक एवं उत्तम गुणता युक्त बीज उत्पादन, नई लोकार्पित श्री अन्न किस्मों को बढ़ावा देने, बीज अवसंरचना के विकास, प्रौद्योगिकी प्रसार एवं हितधारकों के क्षमता निर्माण में भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं की श्रेष्ठ उपलब्धियों को दर्शाता है। यह उत्कृष्टता प्रमाण -पत्र, विशेषकर डॉ. बी वेंकटेश भट, डॉ. सूगण्ण तथा श्री रघुनाथ कुलकर्णी के समर्पित प्रयासों को दर्शाता है, जिनके सामूहिक योगदान ने श्री अन्न बीज प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा देश भर के किसानों को उच्च -गुणता युक्त बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गिरिसिरी किउसं के द्वारा विजयनगरम में सारस अखिल - भारतीय डीडब्ल्यूसीआरए मेले में मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रदर्शन

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में 1-5 मई 2026 के दौरान संपन्न ग्रामीण शिल्पकार संघ की वस्तुओं की बिक्री (सारस) -अखिल भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एवं बाल विकास मेले ने ग्रामीण आजीविका, महिला स्वयं सहायता समूह, किउसं तथा ग्रामीण कार्यों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान प्रवर्तित गिरिसिरी किसान उत्पादक संगठन (किउसं) ने श्री अन्न निर्मित विविध मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसे उनकी गुणता एवं नवोन्मेष के लिए आ गंतुकों तथा हितधारकों से सराहना मिली। इस कार्यक्रम ने किउसं के बाजार संपर्क सुदृढ़ करने, खरीदारों से चर्चा करने तथा व्यवसाय के नए अवसरों का पता लगाने में सहायता की। डॉ. संगप्पा, व रिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक किउसं परियोजना एवं श्री के श्रीनिवास बाबू के मार्गदर्शन में गिरिसिरी किउसं को अपनी उत्कृष्ट भागीदारी हेतु 5 मई 2026 को एक प्रशंसा-पत्र एवं स्मृति चिह्न मिला।

राजस्थान किउसं हेतु श्री अन्न मूल्यवर्धन एवं उद्यमिता सुदृढ़ीकरण

उन्नत श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी और उद्यम के अवसरों का पता लगाने के लिए, राजस्थान के पांच प्रगतिशील किसानों तथा दो ज़िला कृषि अधिकारी ने 7 मई 2026 को भाकृअनुप -भारतीय श्री अन्न अनुसंधान, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरे में श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, ब्रांडिग और बाजार संपर्क पर ध्यान दिया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, किउसं नेस्ट दल ने किउसं की आय बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, पैकेजिग तथा उद्यमिता पर अपनी राय साझा की। सहभागियों ने श्री अन्न नवोद्यमियों एवं सरकारी सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए न्यूट्रीहब का भी दौरा किया, तत्पश्चात किउसं के लिए भावी तकनीकी सहयोग एवं क्षमता निर्माण पर डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के साथ चर्चा हुई।

अभासअनुप के अंतर्गत टीएसपी, एससीएसपी तथा एनईआर हस्तक्षेपों के माध्यम से श्री अन्न विकास

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने 7-8 मई 2026 को ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अभासअनुप के अंतर्गत "अनुसंधान प्रगति की समीक्षा तथा तकनीकी कार्यक्रम निर्माण" पर आभासी रूप में वार्षिक सामूहिक बैठक (एजीएम) आयोजित की। बैठक में 2025-26 के लिए अनुसंधान प्रगति की समीक्षा की गई, तथा जारी गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया तथा 2026 -27 के लिए तकनीकी कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। देश भर के अभासअनुप केंद्रों के वैज्ञानिकों ने अपनी उपलब्धियों तथा भावी योजना ओं के बारे में बताया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिकभाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने बैठक के दौरान टीएसपी, एससीएसपी तथा एनईएच पहलों की प्रगति व प्रभाव के बारे में बताया, जिसमें प्रौ द्योगिकी प्रसार, क्षमता निर्माण, उत्तम गुणतायुक्त बीज वितरण, जलवायु-अनुकूल उत्पादन प्रौद्योगिकी तथा बाजारोन्मुख हस्तक्षेप पर बल दिया गया, जिनसे आदिवासी, अनुसूचित जाति तथा उत्तर पूर्वी खेती करने वाले समुदायों के बीच श्री अन्न उत्पादकता, पोषण सुरक्षा एवं आजीविका को बेहतर बनाया गया।

किउसं के लिए कस्टम हायरिग सेंटर (सीएचसी) के प्रचालन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन संसाधन कक्ष, राग्राविपंसं, हैदराबाद ने स्थायी कस्टम हायरिग केंद्रों (सीएचसी) की स्थापना और प्र बंधन में किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) की क्षमता को सुदृढ़

करने के लिए, आंध्र प्रदेश के 52 कृषि परियोजना प्रबंधकों तथा जिला परियोजना प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) का र्यक्रम आयोजित किया। डॉ. संगप्पा ने 12 मई 2026 को सीएचसी के संचालन और प्रबंधन पर एक तकनीकी सत्र दिया, जिसमें टेकमल फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सफल अनुभव को साझा किया। सत्र में व्यवसाय योजना, मशीनों के उपयोग, रखरखाव, सेवा समय-निर्धारण, राजस्व सृजन, अभिलेखन तथा मुख्य कार्यान्वयन चुनौतियों को शामिल किया गया। टेकमल किउसं प्रकरण अध्ययन ने प्रतिकृति के लिए एक व्यावहारिक मॉडल के रूप में कार्य किया, जो कृषि मशीनीकरण में सुधार, खेती की लागत कम करने और छोटे व सीमांत किसानों को सेवा वितरण बेहतर बनाने में सी एचसी की भूमिका को रेखांकित करता है।

किउसं तथा नवोद्यमी सहयोग के माध्यम से श्री अन्न आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहन

न्यूट्रिहब द्वारा आयोजित श्री अन्न में उद्यमिता फाउंडेशन कार्यक्रम के दौरान, डॉ. संगप्पा ने 22 मई 2026 को "किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) को नवोद्यमियों से जोड़ना : भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं हैदराबाद का अनुभव" पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। इस सत्र में उष्मायन सहायता, बाजार संपर्क, क्षमता निर्माण, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, ब्रांडिग एवं मूल्यवर्धन के माध्यम से किउसं को नवोद्यमियों से जोड़ने में भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं की पहलों पर प्रकाश डाला गया। सहभागियों को ऐसे सहयोगी माडलों के बारे में जानकारी मिली जो श्री अन्न उद्यमों को सुदृढ़ करते हैं, गांवों में रोज़गार पैदा करते हैं, किसानों की आय बढ़ाते हैं तथा सतत कृषि -व्यवसाय विकास को बढ़ावा देते हैं।

प्रेमसाई किउसं में निरंतर प्रचालन सुदृढ़ीकरण हेतु सोलर बैटरी प्रणाली स्थापन

प्रेमसाई किसान उत्पादक संगठन (किउसं) में, सेल्को फाउंडेशन ने अपने सीएसआर पहल के अंतर्गत भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के साथ एक सोलर बैटरी प्रणाली स्थापित की गई। यह प्रणाली कार्यालय के काम, डिजिटल लेन-देन, अभिलेख प्रबंधन तथा किसान सेवाओं के लिए अबाधित बिजली प्रदान करेगी, साथ ही पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता तथा बिजली का खर्च भी कम करेगी। यह स्वच्छ ऊर्जा अंगीकरण तथा सतत ग्रामीण विकास को भी बढ़ावा देता है। निदेशक मंडल ने किउसं की आधारभूत संरचना एवं सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए इस पहल की सराहना की। डॉ. संगप्पा तथा किउसं दल ने डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक तथा श्री के श्रीनिवास बाबू, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के मार्गदर्शन में इस स्थापन कार्य का समन्वय किया।

पालमुरु किउसं में सतत श्री अन्न-आधारित खेती प्रणालियों के लिए वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र ने सतत फसल उत्पादन के लिए अच्छे पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को ध्यान में रखते हुए 25 मई 2026 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित पालमुरु फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइज़ेशन (किउसं) के सदस्यों के लिए एक जागरूकता कार्यक्र म आयोजित किया। कार्यक्रम में उर्वरकों के संतुलित उपयोग, मृदा परीक्षण-आधारित पोषक तत्व प्रबंधन, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन कार्य एवं मृदा स्वास्थ्य तथा खेती की उत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए सतत श्री अन्न की खेती पर ध्यान दिया गया। जीसीओई-एससीएसपी पहल के भाग के रूप में, अनुसूचित जाति के किसानों को कटाई उपरांत प्रबंधन में सहायता करने तथा अनाज क्षति को कम करने के लिए तिरपाल बांटे गए। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने किउसं नेस्ट दल के सहयोग से कार्यक्रम का समन्वय किया तथा किसानों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

तेलंगाना में एकीकृत किसान संगठन - द्रविड़ फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का उद्घाटन

भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं, हैदराबाद समर्थित द्रविड़ फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, एक एकीकृत किसान उत्पादक संगठन है। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने गंगापुर गांव में 26 मई 2026 को किसानों व स्थानीय हितधारकों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया। यह किउसं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा जम्मू व कश्मीर के 2,450 किसानों को एक साथ लाता है ताकि सामूहिक खेति, आगत खरीद, मूल्यवर्धन तथा बाजार संपर्क को बढ़ावा दिया जा सके। सदस्य किसान श्री अन्न, दालें, तिलहन, धान, कपास तथा बागवानी फसलें उगाते हैं, जिसमें जलवायु -अनुकूल श्री अन्न पर विशेष बल दिया जाता है। श्री वीरशेट्टी बिरादर, मुख्य कार्यपालक अधिकारी के नेतृत्व में निर्मित यह किउसं, बेहतर फसल उत्पादन, गुणता बीज प्रणाली, प्रसंस्करण, ब्रांडिग तथा बाजार विकास के लिए भाकृअनुप – भाश्रीअनुसं से तकनीकी सहायता प्राप्त करेगा। इस पहल से सामूहिक कार्यों के माध्यम से उत्पादकता बढ़ने, किसानों की आय बढ़ने तथा सतत श्री अन्न -आधारित मूल्य शृंखला सुदृढ़ होने की आशा है।

संतुलित उर्वरक उपयोग के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य एवं सतत कृषि को प्रोत्साहन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने सतत खेती और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण एकक में 26 मई 2026 को श्री अन्न तथा उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, पोषक तत्वों के उचित उपयोग एवं जलवायु -अनुकूल श्री अन्न की खेती पर ध्यान दिया गया। डॉ. अमसिद्ध तथा इंजी. पी हेमशंकरी ने उत्पादकता बढ़ाने, खेती की लागत कम करने एवं मृदा उर्वरता बनाए रखने के लिए मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रयोग, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन तथा जैविक एवं अजैविक पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग पर बल दिया। किसानों को उच्च पैदावार, बेहतर मृदा स्वास्थ्य एवं ज़्यादा लाभप्रदता के लिए इन वैज्ञानिक विधियों के अंगीकरण हेतु बढ़ावा दिया गया।

पौधों के रूपांतरण पर आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. संतोष कुमार गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप कार्यिकी) ने 28 - 30 मई 2026 तक जेयूआईटी वाकनाघाट, सोलन में आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी तथा जैव सूचना विज्ञान सम्मेलन (आईसीबीएबी -2026) में आमंत्रित वक्ता के रूप में "सुदृढ़ पौधा रूपांतरण : चना, लोबिया (राईस बीन) तथा बाजरे में जीनोम संपादन की नींव" विषय पर व्याख्यान दिया।

गणमान्य आगंतुक

श्री ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, सचिव, भाकृअनुप ने 24 मई 2026 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की उन्नत फेनोमिक एवं उपकरण सुविधा का दौरा किया।

श्री संदीप सरकार, वित्त सचिव, भाकृअनुप ,ने 25 मई 2026 को संस्थान के कर्मचारियों से चर्चा की।

करार/समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	समझौते / करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
14 मई 2026	ज़ेस्टर फूड प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र	बहु श्री अन्न इंस्टेंट इडली मिक्स तथा रागी गुड़ कुकीज़ हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री आतिश कुमार, संस्थापक	डॉ. जे स्टेनली
14 मई 2026	उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ	सहयोगी अनुसंधान, क्षमता निर्माण, श्री अन्न प्रोत्साहन तथा छात्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, यूपीसीएआर	डॉ. अमसिद्ध बी
14 मई 2026	सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद	श्री अन्न सहयोगी अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. डी श्रीनिवास रेड्डी, निदेशक	डॉ. ए वी उमाकांत और अमसिद्ध
15 मई 2026	सर्वश्री जीएन गोपाल एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, आंध्र प्रदेश	सहयोगात्मक अनुसंधान, क्षमता निर्माण, श्री अन्न का प्रचार तथा मूल्यवर्धन	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	सुश्री सुनीता गंधम, मुख्य कार्यपालक अधिकारी	डॉ. अमसिद्ध बी
15 मई 2026	श्री प्रकाश एजुकेशनल सोसाइटी, आंध्र प्रदेश	छात्रों प्रशिक्षण तथा स्नातकोत्तर अनुसंधान में सुविधा	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. के नरेंद्र बाबू, प्रमुख	डॉ. अमसिद्ध बी

करार/समझौते ज्ञापन

शीर्षक	प्रायोजक अभिकरण	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या	
			पुरुष	महिला
श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण एकक में श्री अन्न मूल्यवर्धन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण	किउसं परियोजना	6 मई 2026 (1 दिन)	18	8

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन / प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा नामित, मस्कत के साथ श्री अन्न सहयोग पर आभासी बैठक	भारतीय दूतावास, ओमान सल्तनत, मस्कत	भारतीय दूतावास, ओमान सल्तनत, मस्कत	ऑनलाइन	04 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	जडचेर्ला विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री जनमपल्ली अनिरुद्ध रेड्डी की उपस्थिति में, देशव्यापी अभियान : "एक दिन में श्री अन्न के साथ एक मील" का उद्घाटन	श्री अन्न मार्वल	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	-	04 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के दौरे के दौरान सीएसयू प्रतिनिधिमंडल (ऑस्ट्रेलिया) के साथ चर्चा	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	-	15 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	एक सहयोगी अनुसंधान परियोजना हेतु भाकृअनुप-राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. एस बी बारबुद्धे के साथ बैठक	भाकृअनुप-रामांअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-रामांअनुसं, हैदराबाद	-	15 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	बाजरे पर भाकृअनुप-अभासअनुप की 61वीं वासाबै, ज्वार पर भाकृअनुप-अभासअनुप की 56वीं वासाबै तथा लघु श्री अन्न पर भाकृअनुप-अभासअनुप की 37वीं वासाबै में सहभागिता बाजरे पर भाकृअनुप-अभासअनुप तथा ज्वार एवं लघु श्री अन्न पर भाकृअनुप-अभासअनुप की प्रगति व उपलब्धियों की समीक्षा पर सत्र -1 की सह-अध्यक्षता	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और यूएएस, धारवाड़	यूएएस, धारवाड़	प्रत्यक्ष	18 मई 2026
आई.के. दास	श्री अन्न पर वार्षिक कार्यशाला	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और यूएएस, धारवाड़	यूएएस धारवाड़	प्रत्यक्ष	18-20 मई 226
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद दौरे के दौरान श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार श्री तुम्मला नागेश्वर राव, माननीय कृषि मंत्री, तेलंगाना के साथ चर्चा	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	-	21 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद में प्रशासनिक तथा वित्तीय मामलों पर 3री क्षेत्रीय बैठक	भाकृअनुप, नई दिल्ली	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	24 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के दौरे के दौरान श्री ज्ञानेंद्र डी त्रिपाठी, अपर सचिव (डेयर) तथा सचिव (भाकृअनुप) के साथ चर्चा बैठक	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	-	24 मई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद दौरे के दौरान डेयर के अपर सचिव एवं डेयर/भाकृअनुप के वित्तीय सलाहकार श्री संदीप सरकार के साथ चर्चा बैठक	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	-	25 मई 2026

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब

डॉ. विकास कुमार तथा डी रेवती

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुतुगूरु रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in